राजेश अग्रवाल

सत्यमेव जयते

अपील

14 सितम्बर 1949 को भारतीय संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था और संविधान लागू होने के बाद 26 जनवरी 1950 से इस देश में हिंदी राजभाषा के रूप में लागू हुई। राजभाषा कार्यान्वयन जहां एक ओर हमारा संवैधानिक दायित्व है वहीं जनता का काम जनभाषा में कर हम इसकी सार्थकता भी सुनिश्चित कर सकते हैं। भाषा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की संवाहक और संपूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। स्व-भाषा के बिना स्वराज का बोध नहीं हो सकता।

प्रशिक्षण महानिदेशालय सीधे रूप में भावी पीढ़ी को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने जैसे कार्यों से जुड़ा है। हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए आह्वान करता हूँ कि आप अपने दैनिक कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएं और प्रशिक्षण से जुड़े कार्य तथा पत्राचार हिंदी में करें ताकि कर्मचारियों और आमजन को हिंदी के प्रयोग के प्रति जागरूक किया जा सके। कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिये आप शब्दों के लिये अटके बिना अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को देवनागरी लिपि में लिख कर दैनिक कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

प्रशिक्षण महानिदेशालय में 5 सितम्बर, 2018 से 18 सितम्बर, 2018 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है तथा इस दौरान हिंदी एकक द्वारा अनेक हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। सभी कार्मिकों से अनुरोध है कि आप उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लें। हिंदी दिवस के अवसर पर मैं अपील करता हूँ कि आप सभी हिंदी के प्रयोग के महत्व को समझते हुए इसे अपने कामकाज की भाषा बनाने का संकल्प लें।

पुनः ''हिंदी दिवस'' की हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

राजेश अग्रवाल

महानिदेशक

प्रशिक्षण महानिदेशालय

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय

दिनांक - 14 सितंबर, 2018